

हिंदी ऑनलाइन कक्षा में आप सभी का स्वागत है।

कक्षा -६

हिन्दी (LOWER)

पाठ -6

मदर टेरेसा

CHANGING YOUR TOMORROW

सन् 1952 में इन्होंने कोलकाता में असहाय बूढ़ों को सहाय देने के लिए पहला 'निर्मल हृदय होम' स्थापित किया। मदर टेरेसा की ममता की छाया में बीमार, विकलांग तथा अनाथ व्यक्तियों को आश्रय मिला। मदर टेरेसा की दृष्टि में ऊँच-नीच व अमीर-गरीब का कोई भेद-भाव नहीं था।

इनकी सेवाओं का जनता द्वारा सम्मान किया गया। इन्हें पोप जॉन पॉल द्वारा शांति पुरस्कार प्रदान किया गया। भारत सरकार ने इनके सेवा कार्यों से प्रभावित होकर इन्हें सन् 1962 में पद्मश्री की उपाधि भी दी। 19 दिसंबर, 1979 को मानव कल्याण कार्यों के लिए इन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सन् 1980 में भारत सरकार ने इन्हें अपने सर्वोच्च सम्मान 'भारत रत्न' से विभूषित किया। नवंबर 1983 में भारत भ्रमण के अवसर पर महारानी एलिजाबेथ ने मदर टेरेसा को भारत में ही 'ऑर्डर ऑफ़ मेरिट' की उपाधि दी।

मदर टेरेसा का जीवन उनका अपना नहीं, बल्कि दूसरों की सेवा में समर्पित था। दीन-दुखियों की सेवा को वे भगवान की सेवा समझती थीं। 87 साल की उम्र में भी वे गरीबों की सेवा में लगी रहती थीं, लेकिन उनका स्वास्थ्य अब साथ नहीं दे रहा था।

सन् 1996 में मदर टेरेसा को हृदयाघात हुआ, जिसके बाद से इनका स्वास्थ्य लगातार खराब होता चला गया। 5 सितंबर, 1997 को ये स्वर्ग सिधार गईं। इनके निधन से जो स्थान रिक्त हुआ है, उसे पूरा करना मुश्किल है।

शब्दार्थ-

असहाय- बेसहारा
आश्रय- सहारा
सर्वोच्च- सबसे बड़ा
सम्मान- आदर
स्वर्ग सिधार- मृत्यु
रिक्त- खाली

अर्थ बोध-

असहाय बूढ़ों को सहारा देने के लिए निर्मल हृदय होम स्थापना मदर टेरेसा ने किया। अपने ममता से बीमार विकलांग तथा अनाथा को सहारा मिला। उनके नज़र में सभी समान हैं। इनके इस निस्वार्थ सेवा के लिए उन्हें अनेक सम्मान से सम्मानित किया गया है। उनका जीवन दूसरों के लिए समर्पित था। ५ सितंबर १९९७ को इस महान आत्मा की मृत्यु हुई।

संबंधित प्रश्न-

१. असहाय बूढ़ों के लिए मदर टेरेसा ने कब और क्या स्थापना किए?
२. पोप पाँल द्वारा उन्हें कौन सा पुरस्कार प्रदान किया गया?
३. भारत सरकार ने उन्हें कौन-से सम्मान से सम्मानित किया?
४. महारानी एलिज़ाबेथ ने उन्हें कौन-से उपाधि दी?
५. उनकी मृत्यु कब और क्यों हुआ?

THANKING YOU
ODM EDUCATIONAL GROUP